



भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण
INSURANCE REGULATORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY OF INDIA

Title: डॉ. सुभाष सी. खुंटिया, अध्यक्ष का संदेश

Reference No.:---

Date: 08/05/2021

आईआरडीएआई के अध्यक्ष से पत्र

06 मई / May, 2021

प्रति / To,
सभी गैर-जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी
All MD & CEOs of Non-Life & Health insurers

विषय: आईआरडीएआई के अध्यक्ष से पत्र

Sub: Letter from Chairman, IRDAI

प्रिय साथियों / Dear colleagues,

सर्वप्रथम, मैं इस सर्वव्यापी महामारी कोविड-19, जिसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है, के मद्देनजर आवश्यक समुत्थानशीलता विकसित करने और अपनी कंपनी के लिए निरंतर व्यापार सुनिश्चित करते रहने के लिए आपकी शानदार भूमिका के लिए आपको बधाई देता हूँ। आर्थिक विकास में मंदी के बावजूद गैर-जीवन खंड में 5.2% के विकास के साथ वर्ष 2020-21 में बीमा क्षेत्र में 9.7% का स्वस्थ विकास संभव हो सका है। इसको संभव बनाने और ज़रूरत की इस घड़ी में आमजन के लिए सुरक्षा का स्तर बढ़ाने में योगदान करने के लिए कृपया अपने सभी कर्मचारियों, एजेंटों और मध्यवर्तियों को मेरी ओर से आभार व्यक्त करें।

At the outset, let me congratulate you for your stellar role in developing necessary resilience and ensuring business continuity of your company in the wake of the covid-19 pandemic that has affected the economy and social life. Despite reduced economic growth, the insurance sector has been able to grow at a healthy 9.7% in 2020-21 with the growth of non-life segment at 5.2%. Please convey my appreciation to all your employees, agents and intermediaries for having made it possible and for having contributed to the enhanced protection level for the people in this time of need.

2. भारतीय बीमा क्षेत्र, वर्तमान में रूपांतरण के शीर्ष पर है। इस नाट्यरूपान्तरण के तीन मुख्य घटक हैं: (1) जनसांख्यिकी की दृष्टि से देश में युवा आबादी की प्रधानता, जो कई वर्षों तक विद्यमान रहने वाली है। (2) उच्च आर्थिक विकास की संभावना, जो सामर्थ्य बढ़ाएगी, और (3) बीमा का तुलनात्मक रूप से निम्न स्तरीय विस्तार जो विकास के लिए व्यापक अवसर प्रदान करता है। सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवा क्षेत्र में भारतीय सामर्थ्य, भारतीय बीमा क्षेत्र के विकास की संभावनाओं को और अधिक बल प्रदान करेगा।

2. Indian insurance sector is presently in the cusp of a transformation. There are three main factors in the play: (1) Demography of the country with predominant young population, that is likely to persist for several years, (2) potential of high economic growth that would improve affordability, and (3) relatively low level of insurance penetration that provides huge opportunity for growth. Indian capability in IT and IT-enabled services sector will further accentuate the potential growth of Indian insurance sector.

3. संक्रमण के इस दौर में इस प्रक्रिया का हिस्सा होना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। सुरक्षा की ज़रूरत के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने और बढ़े हुए ग्राहक संतोष के लिए बीमा जीवन चक्र के दौरान ग्राहक के प्रति उच्चस्तरीय वचनबद्धता के लिए सभी हितधारकों को साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन और साइबर जोखिमों से होने वाले खतरों का सामना करना होगा। नये वितरण चैनलों और ओम्नी चैनलों का

व्यापक स्तर पर विस्तार होगा। बीमाकर्ताओं को ग्राहकों की तेज़ी से बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए मुस्तैदी दशानी होगी। विनियामक सेण्डबॉक्स ऐसे अभिनव उत्पाद और सेवाएँ प्रारंभ करने के लिए अवसर प्रदान करता है।

3. All of us are fortunate to be part of this process at this point of inflection. All the stakeholders need to work together to create awareness about need for protection and for higher level of customer engagement throughout the insurance life cycle for enhanced customer satisfaction. Emerging risks arising out of global climate change and cyber-risks will have to be addressed. Use of new distribution channels and omni-channels will be pervasive. Insurers need to be agile to respond to the fast-changing needs of the customers. Regulatory sandbox provides an opportunity to pilot such innovative products and services.

4. मैं, बीमाकर्ताओं को दृढ़तापूर्वक यह सलाह दूँगा कि वे जोखिम रोकने पर ध्यान केन्द्रित करें और पॉलिसीधारकों के प्रति निरंतर वचनबद्ध रहें ताकि वे न केवल दावे के निपटान से बल्कि हानि की रोकथाम से भी लाभान्वित हों। इससे बीमाकर्ता और पॉलिसीधारक के बीच अधिक विश्वास उत्पन्न होगा और आगे चलकर दोनों ही इससे लाभान्वित होंगे।

4. I would strongly advise insurers to concentrate on prevention of risk, and continuous engagement with policyholders, so that the latter derive benefit not only through claim settlement, but also from prevention of loss. This will generate greater trust between the insurer and the policyholder and both would stand to benefit in the long run.

5. बीमा समावेशीकरण एक और क्षेत्र है जिसपर हम सभी को ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है ताकि ग्रामीण-आबादी, किसान, महिलाएँ, एमएसएमई, निर्धन और हाशिये पर पड़े लोगों की फिक्र की जा सके। उनके लिए हमें कम लागत के सूक्ष्म बीमा मॉडल विकसित करने की ज़रूरत है।

5. Insurance inclusiveness is another area that all of us need to concentrate on so as to cater to rural population, farmers, women, MSME, the poor and the marginalised. We need to develop cost effective micro insurance models for the same.

6. सभी हितधारकों के लिए यह विजय-यात्रा होगी, जो अतिरिक्त रोजगार पैदा करेगी, अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से बुनियादी ढाँचा क्षेत्र में निवेश के लिए निधि उपलब्ध करायेगी और पॉलिसीधारकों को आवश्यक सुरक्षा प्रदान करेगी। अधिक महत्वपूर्ण रूप से, व्यक्तिगत स्तर पर, आप सुरक्षा के अंतर को कम करने और समाज की समुत्थानशील शक्ति को उन्नत करने में अपने योगदान को लेकर आत्मसंतोष का अनुभव करेंगे।

6. This journey will be a win-win for all stakeholders, will generate additional employment, provide funds for investment in the economy, particularly in infrastructure sector and provide necessary protection to the policyholders. More importantly, at a personal level, you will feel a sense of fulfilment in contributing to reduction of protection gap and to improvement of resilience for the society.

7. मैं आपकी कंपनी और कर्मचारियों के भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ।

7. I wish you, your company and the employees all the best for the future.

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,
With warm regards,

डॉ. सुभाष सी. खुंटिया / **Dr. Subhash C. Khuntia**
अध्यक्ष / **Chairman**

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण

Insurance Regulatory and Development Authority of India

सर्वे सं. 115/1, फाइनांशियल डिस्ट्रिक्ट, नानकराम गुडा, गच्चीबाउली, हैदराबाद-500032

Sy.no. 115/1, Financial District, Nanakramguda, Gachibowli, Hyderabad - 500032